SANJAY CHOUBEY

गजब हैं ये ज़िन्दगी
गजब हैं कुछ लोग
पानी भी पीलाते हैं
होता हैं जहर का भोग

दो चेहरे हैं इनके जहां में
अब किसपे मैं विश्वास करू
जिस भी चेहरे को मैं हूँ यकीं करता
खैर छोड़ो, क्यूं किसी का उपहास करूँ

हे भगवान इनको कोई बुद्धि दे
ज़िन्दगी हैं बहुत छोटी सी
अरे तुमने कुछ पन्ने पढ़े हैं बस
असल किताब हैं मोटी सी

कर भला होगा भला
तुम चहकते जाओगे
मरने के बाद भी हैं ज़िन्दगी
भगवान से भी आँख मिला पाओगे

@ BihariByNature.com/Poem